व्याख्यान

विश्व जनसंख्या दिवस :11 अप्रैल

आज दिनांक 11.4.2024 को विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर **"जनाधिक्य: चुनौतियां एवं समाधान"** विषय पर राठ महाविद्यालय पैठाणी के सभागार में एक व्याख्यान का आयोजन किया गया । इस अवसर पर प्राचार्य- डॉक्टर जितेंद्र कुमार नेगी, शारीरिक शिक्षा संकाय के विभागाध्यक्ष- डॉ गोपेश सिंह, एन.एस.एस. के समन्यवक- डॉक्टर देव कृष्ण, डॉ0 मनजीत सिंह भंडारी और विभागीय परिषद के सचिव- डॉक्टर राजीव दुबे इत्यादि उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में विभिन्न संकायों के छात्र छात्राओं ने प्रतिभाग किया। यह कार्यक्रम विभागीय परिषद (कला संकाय), भूगोल विभाग और राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया। अपने व्याख्यान में डॉक्टर गोपेश सिंह ने कहा कि आज विश्व की जनसंख्या विकृत रूप ले चुकी है और इसे तभी नियंत्रित किया जा सकता है जब व्यक्ति स्वयं सचेत एवं जागरूक हो। डॉ0 मनजीत भंडारी ने कहा कि पहले अधिक जनसंख्या को मानव संसाधन के रूप में अच्छा माना जाता था लेकिन आज की परिस्थितियों में जनाधिक्य एक समस्या बन चुकी है। प्राचार्य डॉ0 जितेंद्र कुमार नेगी ने कहा कि विश्व की जनसंख्या एक बड़ी चुनौती है, जिसने कई रूपों में वैश्विक पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव डाला है। अंततः यह समस्या मानव प्रजाति के अस्तित्व को समाप्त कर सकती है। अतः इस तरफ विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। अपने संबोधन में डॉ0 राजीव दुबे ने कहा कि किसी भी देश के लिए जनसंख्या का अधिक होना उसके संसाधनों पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है। अतः जनसंख्या की अधिकता किसी भी देश के लिए सर्वथा हानिकारक होती है। कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर देव कृष्ण ने किया।

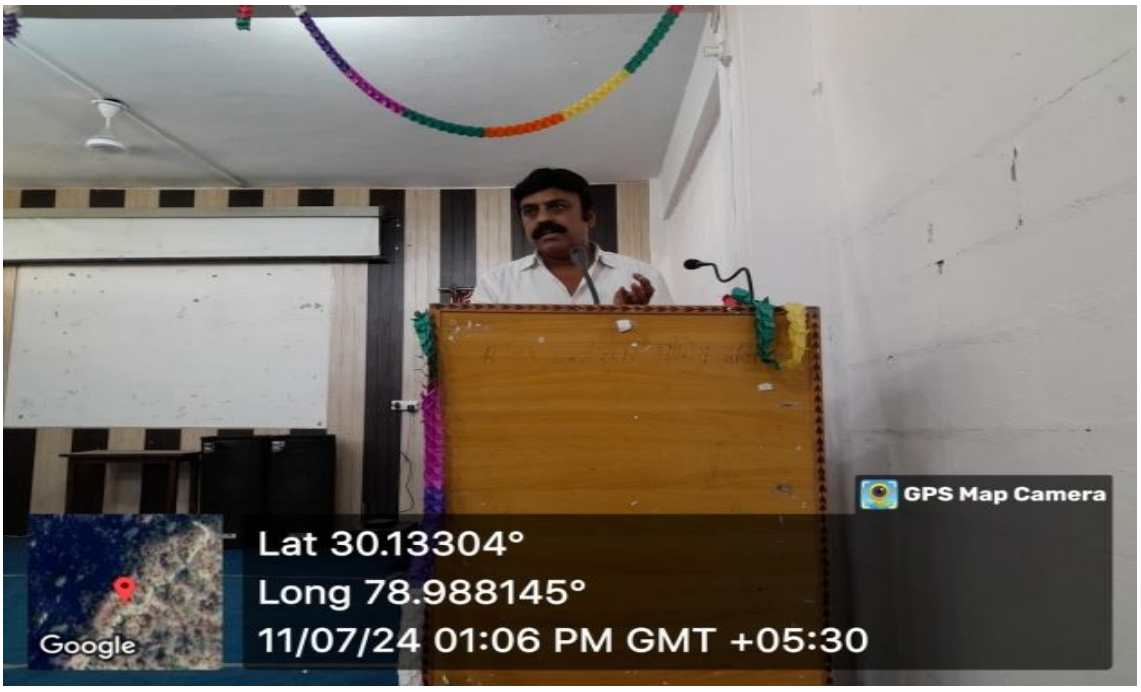
GPS Map Camera
Lat 30.13304°
Long 78.988145°
11/07/24 01:06 PM GMT +05:30
Google

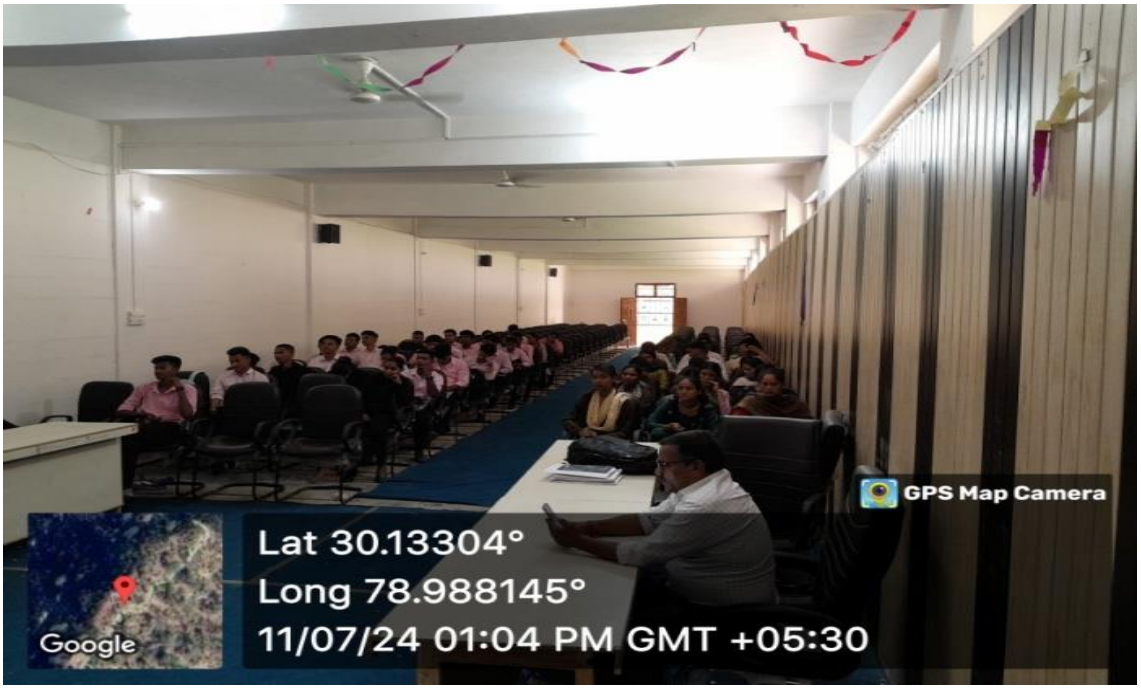
GPS Map Camera
Lat 30.13304°
Long 78.988145°
11/07/24 01:04 PM GMT +05:30
Google

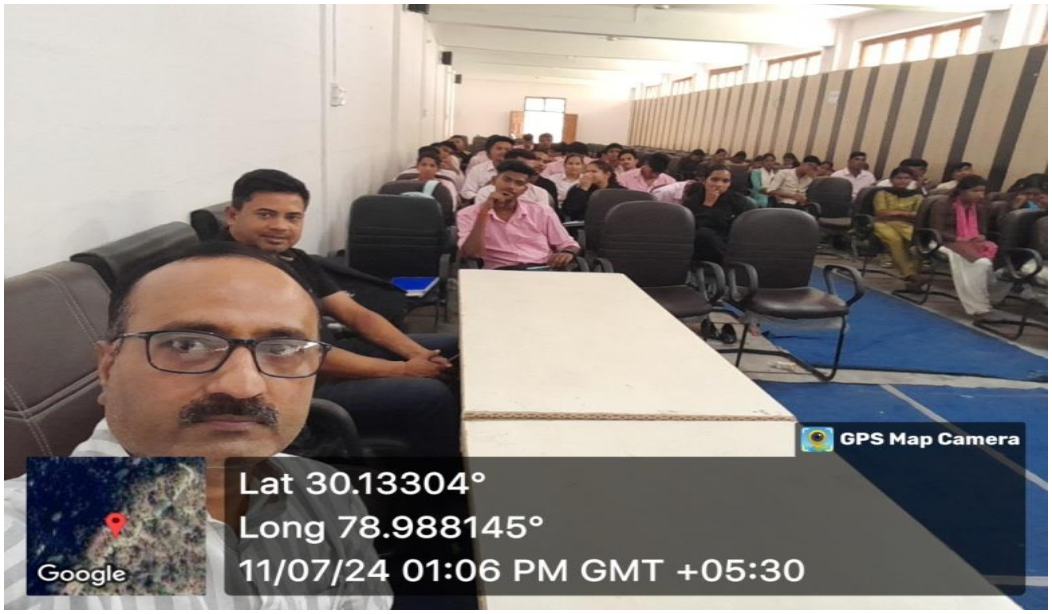

राठ महाविद्यालय पैठानी पौड़ी गढ़वाल के कला सं
परिषद द्वारा आयोजित कि गई, विचार गोष्ठीसमृद्ध
के लिए सीमित जनसंख्या जरुरी

वक्ताओं ने कहा जनसंख्या विस्फोट देश के विकास मे

हाड़ की वाणी संवाददाता

ैठाणी । विश्व जनसंख्या के सुअवसर र विभागीय परिषद कला संकाय, राठ हाविद्यालय पैठाणी पौड़ी गढ़वाल में ायोजित गोष्ठी में वक्ताओं ने बढ़ती नसंख्या को देश के विकास के लिए ातक बताया।कार्यक्रम प्राचार्य डॉ0 जितेंद्र ुमार नेगी के दीप प्रज्ज्वलन के साथ ुरु हुआ। गोष्ठी को सम्बोधित करते हुए ारीरिक शिक्षा विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ0 गोपेश कुमार सिंह ने कहा कि नसंख्या वृद्धि से सबसे पहले भोजन संकट पैदा होगा, जिससे भूखमरी और ातक बीमारियां तक पैदा हो जायेगी। कला संकाय के डा0 राजीव दुबे ने कहा के आज विश्व की जनसंख्या निरंतर ढ़ती जा रही है, जबकि प्राकृतिक संसाध ा सीमित है, उन्होने कहा कि जनसंख्या ृद्धि का असर मानव जीवन के सभी हलुओं पर पड़ेता है, रोजगार और ूसरी मूलभूत सुविधाएं पर भी पड़ेगा, जिससे मानवीय विकास अवरूद्ध होगा, डॉ0मंजीत सिंह भंडारी ने कहा कि जिन खेत-खलिहानों मे कभी अनाज लहलहाता था, वहां आज कंक्रीट के जंगल उग आए हैं।कार्यक्रम का संचालन करते डॉ0 देव कृष्ण थपलियाल ने कहा की जनसंख्या वृद्धि का सीधा असर प्रकृति पर पड़ता प्राकृतिक संसाधनो पर दबाव पड़ने से पर्यावरण भी असंतुलित होने लगा है।कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्राचार्य डॉ जितेंद्र कुमार नेगी ने कहा की 1987 से 5 अरब की जनसंख्या आज 2024 मे साढ़े आठ अरब हो गई है, यह जनसंख्या विस्फोट की समस्या जलवायु परिवर्तन के समान ही बेहद नुकसानदायक है,विश्व में ताकतवर देश जो विश्व मे नीतियों को प्रभावित करते हैं इसके लिए गंभीर नहीं हैं जो चिन्ता का विषय है, जनसंख्या विस्फोट से मानव अस्तित्व पर संकट पैदा हो गया है।गोष्ठी को अनेक छात्र छात्राओं ने भी सम्बोधित किया।कार्यक्रम में महाविद्यालय के अनेक प्राध्यापकगण व छात्र/ छात्राएं उ में उपस्थित रहे।